समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.10.2021	--	--

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव शाहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले,घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। उसने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता की जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून वह उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ है। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

मां का दूध बच्चों के लिए बहुत जरूरी

मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है व छह महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पारुल गिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में किया जाना चाहिए जो कि हमारे लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि हमारे पूर्वज भी इनका प्रयोग करते थे। छात्राओं ने उत्पादों की गुणवत्ता में रासायनिक पदार्थ मिलाए जाने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया ताकि उनकी गुणवत्ता को आसानी से पहचाना जा सके। छात्रा नैंसी कंबोज ने लाल मिर्च पाउडर में मिलावट के बारे में बताया। छात्रा रेखा ने हल्दी की मिलावट की घर पर जांच करने का तरीका बताया और छात्रा पूजा ने शहद की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं व बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई।

कार्यक्रम का संचालन छात्रा ज्योति व मनीषा ने किया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने इस कार्यक्रम के आयोजन में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में गांव की आंगनवाड़ी वर्कर व हेल्पर एवं ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	08.10.2021	--	--

समस्त हरियाणा
शुक्रवार, 8 अक्टूबर, 2021

एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन प्रबंधन विभाग की ओर से गांव [illegible] में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमरिज्म) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का सेहत स्वास्थ्य पर असर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्ण चहल ने बताया सामान्यतः बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संदेह बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले,घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी [illegible] मौजूद रहीं। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून तथा उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ. [illegible] ने ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

मां का दूध बच्चों के लिए बहुत जरूरी

मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है व छह महीने तक बच्चों को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. [illegible] गिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में किया जाना चाहिए जो कि हमारे लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि हमारे पूर्वज भी इसका प्रयोग करते थे। छात्राओं ने उत्पादों की गुणवत्ता में रासायनिक पदार्थ मिलाए जाने की प्रक्रिया को व्यावहारिक रूप से समझाया ताकि उनकी गुणवत्ता को आसानी से पहचाना जा सके। छात्रा [illegible] ने लाल मिर्च पाउडर में मिलावट के बारे में बताया। छात्रा रेखा ने हल्दी की मिलावट की घर पर जांच करने का तरीका बताया और छात्रा पूजा ने शहद की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं व बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम का संचालन छात्रा ज्योति व महिमा ने किया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने इस कार्यक्रम के आयोजन में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी वर्कर व हेल्पर एवं ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	08.10.2021	--	--

खाद्य पदार्थ में मिलावट के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

हिसार/8 अक्तूबर/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद पर प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाजए दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है, ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताते हुए कहा कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही।

डॉ किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून व उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ वीनू सांगवान ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है। वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ पारुल गिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में किया जाना चाहिए जो कि हमारे लिए काफी फायदेमंद है, क्योंकि हमारे पूर्वज भी इनका प्रयोग करते थे। छात्रा नैंसी कंबोज ने लाल मिर्च पाउडर में मिलावट के बारे में बताया। छात्रा रेखा ने हल्दी की मिलावट की घर पर जांच करने का तरीका बताया और छात्रा पूजा ने शहद की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
राष्ट्रीय खबर	08.10.2021	--	--

एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव प्रति किया जागरूक

राष्ट्रीय खबर ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है।

अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए। सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी ने महाविद्यालय के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून वह उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ्य और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ है। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता है।

मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है व छह महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। वस्त्र और परिधान डिजाइनिंग विभाग की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पारुल गिल ने बताया कि नीम का इस्तेमाल कीटनाशक के रूप में किया जाना चाहिए जो कि हमारे लिए काफी फायदेमंद है क्योंकि हमारे पूर्वज भी इनका प्रयोग करते थे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा ज्योति व महिमा ने किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	10.10.2021	--	--

एचएयू ने खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पडने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव शाहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले,घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियां के बारे में बताया। उसने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरंपच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून वह उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10.10.2021	--	--

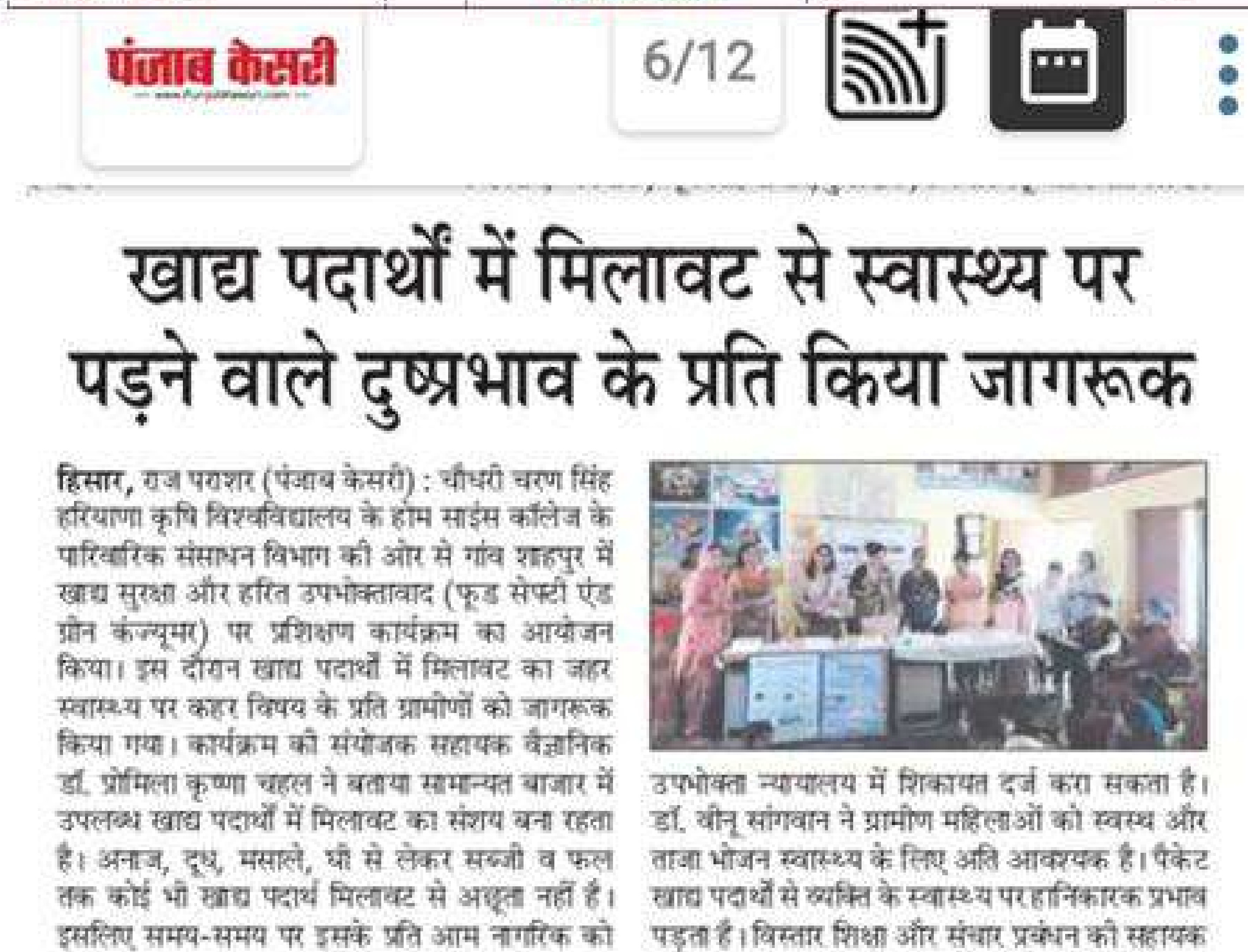

खाद्य पदार्थों में मिलावट से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियां के बारे में बताया।कार्यक्रम में सरपंच की धर्मपत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उपभोक्ता न्यायालय में शिकायत दर्ज करा सकता है। डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को स्वस्थ और ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैकेट खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता हैं। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं व बच्चों को खाद्य सामग्री वितरित की गई।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	09-10-21	04	5-6

खाद्य पदार्थों में मिलावट से दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि के होम साइंस कालेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डा. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियां के बारे में बताया। उसने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से उत्पाद की गुणवत्ता कम हो जाती है एवं मिलावट करने से उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता को जांच लेना चाहिए व उत्पाद की समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए।

ग्रामीणों को संबोधित करते, प्रशिक्षण देते और सम्मानित करते हुए वैज्ञानिक। ● एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	09-10-21	09	02-04

एचएयू के होम साइंस कॉलेज की ओर से गांव शाहपुर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

खाद्य पदार्थों में मिलावट के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

हिसार। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को जागरूक करते वैज्ञानिक। फोटो : हरिभूमि

खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले,घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियां के बारे में बताया। कार्यक्रम में सरंपच की पत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही। उन्होंने महाविद्यालय की ओर से किए जा रहे इस तरह के प्रयासों की सराहना की। डॉ. किरण सिंह ने उपभोक्ता कानून तथा उपभोक्ता संरक्षण नियम 1986 के बारे में जानकारी दी। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। मानव विकास व पारिवारिक अध्ययन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. पूनम मलिक ने बताया कि बच्चों के विकास के लिए मां का दूध अति आवश्यक है तथा छह महीने तक बच्चे को सिर्फ मां का दूध ही पिलाना चाहिए। इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कृत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	09-10-21	04	1-2

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संबोधित करते वैज्ञानिक।

खाद्य पदार्थों में मिलावट से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति किया जागरूक

हिसार, 8 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के होम साइंस कॉलेज के पारिवारिक संसाधन विभाग की ओर से गांव शाहपुर में खाद्य सुरक्षा और हरित उपभोक्तावाद (फूड सेफ्टी एंड ग्रीन कंज्यूमर) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान खाद्य पदार्थों में मिलावट का जहर स्वास्थ्य पर कहर विषय के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम की संयोजक सहायक वैज्ञानिक डॉ. प्रोमिला कृष्णा चहल ने बताया सामान्यत बाजार में उपलब्ध खाद्य पदार्थों में मिलावट का संशय बना रहता है। अनाज, दूध, मसाले, घी से लेकर सब्जी व फल तक कोई भी खाद्य पदार्थ मिलावट से अछूता नहीं है। इसलिए समय-समय पर इसके प्रति आम नागरिक को जागरूक करना बहुत जरूरी है, ताकि वे अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत हो सकें। उन्होंने उपभोक्ता अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि खाद्य अपमिश्रण से भले ही उत्पाद आकर्षक दिखने लगता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता कम हो जाती है। इसलिए हमें उत्पाद की गुणवत्ता सहित उसकी समाप्ति तिथि व अधिकतम खुदरा मूल्य आदि की जांच करके ही लेना चाहिए। कार्यक्रम में सरपंच की पत्नी विजयलक्ष्मी बतौर मुख्यातिथि मौजूद रही।

डॉ. वीनू सांगवान ने ग्रामीण महिलाओं को बताया कि ताजा भोजन स्वास्थ्य के लिए अति आवश्यक है। पैक्ड खाद्य पदार्थों से व्यक्ति के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव पड़ता है। विस्तार शिक्षा और संचार प्रबंधन की सहायक वैज्ञानिक डॉ. संतोष ने बताया कि जैविक खेती के बहुत लाभ हैं। महिलाएं किचन गार्डन द्वारा बिना रासायनिक खाद के सब्जियां उगा सकती हैं। ऐसी सब्जियों का सेवन हमारे शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करता हैं। छात्रा नैंसी कंबोज ने लाल मिर्च पाऊडर, रेखा ने हल्दी और पूजा ने शहद की गुणवत्ता की जांच के प्रयोग को दर्शाया। इसी दौरान इस प्रशिक्षण से संबंधित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई जिसकी विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।